कंटेनर से टकराई स्कॉर्पियो, चार की मौत, तीन घायल

राजस्थान बॉर्डर पर हुआ गंभीर हादसा

नीमच, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। महू-नसीराबाद हाईवे पर एक कंटेनर से स्कॉर्पियो टकरा गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। जबकि, तीन लोग घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। हादसा मध्यप्रदेश-राजस्थान की सीमा पर रविवार रात करीब 11 बजे हुआ। सभी लोग उज्जैन के रहने वाले हैं। इनकी उम्र 18 से 27 साल के बीच है। ये लोग सांवरिया सेठ के दर्शन करने जा रहे थे।

पुलिस के मुताबिक उज्जैन जिले के इंगोरिया गांव के रहने वाले सात लोग स्कॉर्पियो से सांवरिया सेठ दर्शन के लिए निकले थे। रात करीब 11 बजे वे नीमच जिले के नयागांव से कुछ दूर चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा कोतवाली क्षेत्र में पहुंचे। यहां बांगरेड़ मामादेव गांव के पास तेज रफ्तार गाड़ी सड़के के दूसरी लेन में सामने से आ रहे कंटेनर में जा घुसी।

पहले डिवाइडर से टकराई कार...

उज्जैन जिले के इंगोरिया गांव के सात युवक स्कॉर्पियो में सवार होकर सांवरिया जी के दर्शन के लिए जा रहे थे। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पहले सड़क के डिवाइडर से टकराई। बाद में दूसरी लेन में सामने से आ रहे कंटेनर में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो का एक साइड का हिस्सा पूरी तरह से पिचक गया।

इनकी हुई मौत–हादसे में स्कॉर्पियो में सवार गौरव कुमार पवार, अनिल भांबी, राजा और संजू भांबी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दीपक, योगेश और सुनील गंभीर रूप से घायल हुए। घायलों को निंबाहेड़ा अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उदयपुर रेफर कर दिया। सूचना पर चित्तौड़गढ़ के एएसपी बद्रीलाल राव भी मौके पर पहुंचे। चारों के शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनो को सौंप दिए गए।

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 186 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 22 अप्रैल 2025 | मूल्य 2 रुपया

आईपीएल की स्टाईल में बढ़ रहा सोना

पहुंच गया 96 हजार के पार, एक लाख पहुंचने की संभावना

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिस तरह से आईपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट में नीत नए कीर्तिमान और रिकॉर्ड बन रहे हैं, उसी तरह से सोना भी रोज रिकॉर्ड तोड़ रहा है। बात कर रहे हैं सोने के भाव की। सोने ने शनिवार को अच्छी खासी बढ़ोतरी के साथ 95 हजार रुपए प्रति दस ग्राम को क्रास किया। इसके बाद रविवार को अवकाश के बाद सोमवार को बाजार खुलते ही 96 हजार को पार कर गया। यह सोने का अभी तक का उच्चतम भाव है। तीन माह से हर दिन बढ़ रहे सोने के दाम ने नया रेकॉर्ड कायम कर लिया है। पहली बार सोने के भाव 96 हजार 200 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास पहुंच गए। इसी तरह चांदी के भाव भी दूसरी बार 98 हजार रूपए प्रति किलो के आसपास हो गए हैं। सोने-चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी का क्रम नए साल की शुरुआत के साथ ही हुआ, जो अब भी थमने का नाम नहीं ले रहा है।

कारोबारियों का मानना है कि मई माह में सोना एक लाख रुपए प्रति दस ग्राम तक पहुंच सकता है। बाजार के जानकारों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय कारणों से सोने-चांदी की कीमतों में लगातार उछाल आ रहा है। जहां एक साल पहले फरवरी 24 में सोने का भाव 60 हजार रूपए प्रति 10 ग्राम था वही चांदी का भाव 75 हजार रुपए किलो के आसपास था। लगातार बढ़ती सोने चांदी की कीमतों ने अप्रैल माह में तेजी दिखाई। माह की पहली ही तारीख से वर्तमान में चल रहे भाव की बात करें तो सोने ने करीब 05 हजार रुपए प्रति दस ग्राम के आसपास का रिटर्न दिया है। फरवरी में सोना 84 हजार 400 रुपए दस ग्राम और चांदी 94 हजार 750 रुपए किलो थी। कारोबारियों के अनुसार इन धातुओं के दाम में तेजी अभी भी बनी हुई है। भाव में गिरावट आने के बारे में अभी कुछ कह नहीं सकते, जिससे आने वाले समय में सोने-चांदी की कीमतों में और तेजी बनी रहेगी। व्यापारियों ने बताया की रोजाना चांदी और सोने के भाव बढ़ रहे है।

सोमवार को आठ सौ रुपए बढ़े दाम...

मौसम की तरह सोना-चांदी के दाम में भी रोज उलट फेर हो रहा है। दोनों धातुओं के भाव रोज बदल रहे हैं। इसके चलते सोना नए स्तर को छू रहा है। चांदी भी पुन: एक लाख के आंकड़े को पार करने को बेकरार है। स्थानीय बाजार में सोमवार को सोना व चांदी के दाम में आठ सौ रुपए की तेजी देखी गई। इसके चलते सोमवार शाम पांच बजे तक सोना अब तक के सर्वोच्च स्तर 96 हजार 200 रुपए प्रति दस ग्राम पहुंच गया। चांदी लगभग 98 हजार रुपए प्रति किलो पहुंच गई। बीते दस दिनों की अगर बात करें तो सोने के दाम में लगातार तेजी जारी है। वहीं चांदी में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इस दौरान सोने में पांच हजार रुपए प्रति दस ग्राम से ज्यादा व चांदी में भी साढ़े चार हजार रुपए प्रतिकिलो से ज्यादा का उछाल आया है। दस दिन पूर्व सोना 90 हजार 800 रुपए प्रति दस ग्राम व चांदी 93 हजार 500 रुपए प्रतिकिलो थी।

बढ़ गया सोने में निवेश...

सराफा बाजार के जानकारों की माने तो निवेशक भी अब सोना एक लाख तक पहुंचने की संभावना को देखते हुए निवेश कर रहे है। निकट भविष्य में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट की संभावना कम बन रही है। शादी ब्याह के लिए 90 हजार रूपए प्रति 10 ग्राम के भाव में सोने के जेवर बना कर देने की बुकिंग कर रखी थी, अब इतने महंगे भाव में उनका जेवर तैयार कर कर ग्राहकों को देना पड़ रहा है। जिस तरह से दाम बढ़ रहे है, उससे लगता है यह मई अंत तक एक लाख रुपए प्रति दस ग्राम पहुंच सकते है।

दोपहर में बाजार हुए सूनसान, गर्मी से हाल बेहाल

अप्रैल के अंत में और आएगी धूप में तेजी

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। अप्रैल में ही गर्मी ने मई का अहसास करा दिया है। अभी अप्रैल पूरा भी नहीं हुआ है कि माह के अंत में गर्मी में और ज्यादा तेजी आने की आशंका जताई जा रही है। अब इस सप्ताह में मौसम विभाग ने तापमान में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना जताई है।

अंचल में गर्मी अपने रेकॉर्ड स्तर पर अगले सप्ताह रहने वाली है। इस दौरान हीटवेव भी चलेगा। 25 से 28 अप्रेल के बीच में तापमान 44 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। ऐसा हुआ तो अंचल में अप्रैल का अब तक का सबसे अधिक तापमान रहेगा। अंचल में हर दिन के साथ तपिश बढ़ रही है। अप्रेल माह के अंतिम दौर में सूर्य की तेज धूप लोगों को खूब तपाने वाली है। गर्मी बढ़ने के साथ लू से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग के साथ कलेक्टर ने भी एडवायजरी जारी कर दी है। सोमवार को भी दिनभर बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। चौराहे सुनसान रहे।

जिले में गर्मी अपने रेकॉर्ड स्तर पर है। मौसम विभाग के अनुसार अगले सप्ताह गर्मी अपना प्रचंड रूप दिखाएंगी। सोमवार को तापमान जहां 41 डिग्री रहा। न्यूनतम तापमान भी 23 डिग्री दर्ज किया गया। आने वाला सप्ताह जिलेवासियों को खूब तपाने वाला है। गर्मी जिले में अब तक के अपने रेकॉर्ड स्तर पर रहेगी। ऐसा मौसम विभाग का अनुमान है। 22 व 23 अप्रेल 41, 24 अप्रैल को 41 डिग्री अधिकतम तापमान रहने का अनुमान है। लेकिन, 25 अप्रैल को इसमें अत्यधिक बढ़ोतरी होकर यह 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। 26, 27 व 28 अप्रैल को 44 डिग्री से अधिक तापमान रह सकता है। इस दौरान न्यूनतम तापमान भी 24 से 27 डिग्री तक रहेगा। इस दौरान हीटवेव का असर भी अधिक रहेगा।

जो खुद अनट्रेंड वो जिम में दे रहे फिटनेस के टिप्स, सुधरने की जगह बिगड़ रही हेल्थ

इंदौर/उज्जैन, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सेहत को लेकर अब हर आयु वर्ग के महिला व पुरुष जागरूक हैं। फिट रहने की चाहत में बड़ा वर्ग जिम जा रहा है। लेकिन, नगर के एक जिम में वर्कआउट के दौरान दिल का दौरा पड़ने से एक की मौत ने सब को चौंका दिया है। वर्तमान में शहर में जितने जिम सेंटर संचालित हैं, अधिकांश में अप्रशिक्षित ट्रेनर लोगों को फिटनेस के टिप्स दे रहे हैं।

सवाल यह है कि जो खुद सीख रहा हो वह अन्य को कैसे फिट रहने के गुर सिखाएगा। स्थानीय जिम संचालक तो ऐसे ही काम वर्षों से चला रहे हैं और अब एक दर्जन से अधिक नामचीन जिम सेंटरों का भी यही हाल है। स्तरीय कोच के अभाव में प्रशिक्षणार्थी मसल्स बनाने व पावर लिफ्टर बनने की चाह में शार्टकट का फार्मूला अपना रहे हैं और हेवी वेट के फेर में जान जोखिम में डाल रहे हैं। आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार की सुविधा तक नहीं है।

जिम में हार्ट अटैक के प्रमुख कारण...

अत्यधिक तीव्रता वाले व्यायाम जो रक्तदाब को असामान्य रूप से बढाते हैं, उन्हें बिना अनुकूलता के करना जैसे तेज गति की दौड़ या साइकिलिंग या अत्यधिक भार के साथ कसरत करना। ऐसे लोग जिन्हें मधुमेह, उच्च रक्तचाप या हृदय संबंधी समस्याओं का परिवारिक इतिहास हो। ऐसे लोगों को अतिरिक्त एहतियात बरतना चाहिए।

ऐसे व्यायाम करना नुकसान देह...

अत्यधिक स्मोकिंग, मद्यपान, असंतुलित आहार और मानसिक तनाव, अत्यधिक तीव्रता वाले व्यायाम में शरीर में खनिज लवणों और पानी की कमी, बिना सही वार्मअप के व्यायाम, किसी प्रामाणिक प्रशिक्षक के मार्गदर्शन के बिना व्यायाम करना और प्रशिक्षक को शरीर की चिकित्सकीय स्थिति के विषय में ना बताना या प्रशिक्षक द्वारा बिना जानकारी लिए व्यायाम करवाना नुकसानदेह साबित हो सकता है।

किसी भी प्रकार के व्यायाम को करने से पहले शारीरिक दक्षता के सभी घटकों का परीक्षण करें, किसी भी प्रकार की शक्ति वर्धक दवाओं का इस्तेमाल बचना चाहिए। अनुभवी और प्रामाणिक प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में ही व्यायाम करें और अपनी चिकित्सकीय स्थिति के विषय में प्रशिक्षक को अवश्य अवगत कराना आवश्यक है।

कार्डियक फिटनेस की जांच करानी चाहिए...

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. भाविक धीरावाणी कहते है कि हर जिम में सीपीआर और एईडी की सुविधा और प्रशिक्षण अनिवार्य होना चाहिए। जिम में प्रवेश करने से पहले 40 वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों को कॉर्डियक फिटनेस की जांच करानी चाहिए। हल्के लक्षणों को भी हल्के में न लें। जिम स्टाफ को प्राथमिक चिकित्सा का नियमित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। स्वास्थ्य की देखभाल केवल अस्पताल तक सीमित नहीं है। यह हर जगह, हर दिन जरूरी है। जागरूक रहें और जीवन की रक्षा करें।

नई जिम में हो रहा एसी का उपयोग...

हेल्थ एजुकेशन विशेषज्ञ डॉ. सुशील कुमार शर्मा का कहना है कि जिम अब आधुनिक रूप ले चुके हैं। ऐसे में ट्रेनर यदि अनुभवी व क्वालीफाइड नहीं होगा तो वह प्रशिक्षुओं के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। अत: शारीरिक शिक्षा का कोर्स ट्रेनर के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। आधुनिक जिम में एसी का इस्तेमाल होने लगा है। जिससे बाहर और अंदर के तापमान में बहुत अंतर होना स्वाभाविक है। खुद को फिट रखने भर से बात नहीं बनती, बल्कि शारीरिक क्षमता का ज्ञान भी आवश्यक है।

बड़े अस्पताल पहुंचे विधायक

मरीजों ने लगाए स्टॉफ पर बदतमीजी के आरोप

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। रविवार रात विधायक विपिन जैन ने बड़े अस्पताल का औचक निरीक्षण कर जिम्मेदारों को फटकार लगाई। फतेहगढ़ के सरकारी स्कूल में फूड प्वाइजनिंग से बीमार हुए मरीजों को शनिवार दोपहर बड़े अस्पताल रेफर किया गया था। रात में वार्ड में भर्ती मरीजों ने इलाज की गुहार लगाई। लेकिन, नर्सिंग स्टाफ ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। परेशान मरीजों ने विधायक से शिकायत की थी।

विधायक ने मौके पर सीएमएचओ जीएस चौहान और सिविल सर्जन डॉ. डीके शर्मा को बुलाकर मरीजों से बात करवाई। अस्पताल में मिली अव्यवस्थाओं पर विधायक ने नाराजगी जताई। दोनों अधिकारियों ने मरीजों के साथ दुर्व्यवहार करने वाली नर्सों के खिलाफ कारवाई का आश्वासन दिया। विधायक जैन ने बताया कि वे फूड पॉइजनिंग से बीमार मरीजों से मिलने आए थे। अस्पताल में कई अव्यवस्थाएं मिलीं, जिस पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

लहसून-प्याज ने फिर किसानों को ठगा..!

पच्चीस हजार से आठ हजार रुपए पहुंचे दाम

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान में एक बार फिर प्याज किसानों को रुला रहा है। इधर लहसुन भी धरतीपूत्र को निराश कर रही है। कृषि उपज मंडी में तीन माह पहले जो आवक लहसुन की हो रही थी। वह अभी भी बरकरार है। लेकिन, तीन माह पहले के दामों की बात करें तो लहसुन के दाम 20-25 हजार रुपए प्रति क्विंटल मिल रहे थे। लेकिन, अब अधिकतम दाम 08 हजार रुपए प्रति क्विंटल हो गए है। वहीं प्याज की बात करें तो अच्छी गुणवत्ता के प्याज 800 से 900 रुपए प्रति क्विंटल बिक रहे हैं। वहीं प्याज के न्यूतनम भाव 250 से 300 रुपए प्रति क्विंटल हैं। प्याज के दामों में तीन माह में करीब 2500 से 3000 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट हुई हैं।

आदर्श मंडी कही जाने वाली मंदसौर की कृषि उपज मंडी में मंदसौर के अलावा प्रदेश के कई हिस्सों और राजस्थान से भी किसान अपनी उपज बेचने के लिए आते हैं। तीन माह पहले जब लहसुन के दाम 20 से 25 हजार रुपए प्रति क्विंटल थे, तब भी आवक तेज बनी हुई थी और अब भी आवक बंपर ही हैं। लेकिन आगे मांग कमजोर होते ही दामों में गिरावट का सिलसिला बना हुआ है। दिसंबर-जनवरी माह में चार हजार रुपए प्रति क्विंटल तक बिक रहे प्याज के दाम अब 1000 तक भी नहीं बचे है। मंडी में अच्छी क्वालिटी के प्याज के 900 से अधिक भाव में नहीं मिल रहे हैं। अन्य जगहों से आए किसानों ने बताया कि अच्छी गुणवत्ता के प्याज बेचने के लिए मंदसौर मंडी आए है। यहां बेहतर दाम मिलने की उमीद थी। लेकिन, हमारे प्याज 900 रुपए क्विंटल के भाव बिके हैं। लहसुन व प्याज के दाम बहुत कम मिल रहे हैं। लागत भी निकालना मुश्किल हो रहा हैं।

मंदसौर मंडी में लहसुन के दाम इसी साल जनवरी माह में 25 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंच गए थे। अब लगातार लहसुन के दामों में गिरावट हुई हैं। अभी अच्छी गुणवत्ता की लहसुन के दाम किसानों 07 से 08 हजार रुपए प्रति क्विंटल मिल रहे हैं। मंडी में सबसे ज्यादा लहसुन की आवक बनी हुई हैं। अभी भी 20 हजार कट्टे लहसुन की आवक प्रतिदिन हो रही हैं।

संघ पदाधिकारियों की दिल्ली में बैठक क्या हुई, नए मुख्यमंत्री की गतिविधियां अचानक बढ़ गई...

मंदसौर/उज्जैन, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। एक सप्ताह पहले भाजपा के कट्टर समर्थक माने जाने वाले 'आपका अखबार' के संपादक प्रदीप सिंह ने अपने चैनल पर बताया था कि दिल्ली में संघ के पदाधिकारियो की एक बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष और देश तथा प्रदेश की सरकारों के कामकाज को लेकर बीते दिनों हो चुकी है। इसी बैठक के संदर्भ के सहारे ही ये बात आम हो गई थी कि अनेक प्रदेशों के नए मुख्यमंत्री को भी अध्यक्ष चयन के साथ ही बदला जा सकता है। तभी से भाजपा की राजनीति में हलचल मची हुई है। यह सर्वविदित है कि प्रदीपसिंह स्थापित वरिष्ठ पत्रकार हैं। अपने वीडियो में जो भी कहते, लिखते हैं समकक्षों और श्रोता व पाठक वर्ग में माना जाता है।

इसी कारण 'आपका अखबार' चैनल से निकली ये खबर कि राज्यों के नए मुख्यमंत्री को बदला जा सकता है। प्रभावित सभी राज्यों के राजनीतिकों में हलचल मचा गई है। इसमें मध्य प्रदेश भी शामिल है। इसके अलावा हाल ही में घोषित दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से लेकर मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के मुख्यमंत्री के नाम को शामिल माना जा रहा है।

चन्द्रमोहन भगत

राजनीतिक नजरिए से देखें तो मध्य प्रदेश में इस खबर का बड़ा और थोड़ा ज्यादा असर नजर आया है। इसके कारण भी है कि देश की राजधानी के राजनीतिको में यह माना जाता है कि 'आपका अखबार' बीजेपी समर्थक है और खासकर सरकार के दोनों शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों नेताओं का अत्यंत करीबी माना जाता है। अत: इनकी प्रसारित खबर को भाजापाई पुख्ता भी मानते हैं।

इस नए मुख्यमंत्री को बदले जाने वाले एपिसोड के बाद जब 06 अप्रैल को भाजपा के पूर्व संगठन महामंत्री संजय जोशी के जन्मदिन पर मध्य प्रदेश, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे सिंधिया का मिलना भी इस खबर का तापमान बढ़ा गया है। यह जानते हुए दोनों पूर्व मुख्यमंत्री ने संजय जोशी से मिलने की हिम्मत दिखाई है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह दोनो ही संजय जोशी से फोन पर बात करने वालों को भी मुख्य लाइन से हटाकर लूप लाइन में पटक देते हैं। वसुंधरा राजे तो ऐसी हिम्मत पहले भी दिखा चुकी है पर शिवराज सिंह पहली बार गुजराती डबल इंजन के प्रभाव के विपरीत जोशी से जन्मदिन पर मुलाकात कर आए हैं।

इधर मध्य प्रदेश की मोहन सरकार के खिलाफ मंत्रिमंडल के सदस्य और सांसदों से लेकर पूर्व के समकक्ष युवा मोर्चा, परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं में भी नाराजगी गहराते जा रही है। असर साफ दिख रहा है कैबिनेट मंत्रियों का वित्त नीतियों पर सवाल उठाना। सांसद चिंतामण मालवीय का सिंहस्थ मेला क्षेत्र का मामला विधानसभा में उठाना। हाल ही में नीमच यात्रा के दौरान संगठन पदाधिकारियों की अवहेलना का सार्वजनिक विरोध होना, सतही घटनाएं है। जो इशारा कर रही है कि कुछ ना कुछ होने वाला है।

ऐसा तब हो रहा है कि प्रदेश सरकार के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव तीसरी बार के अति साक्षर विधायक हैं। जबकि, राजस्थान के भजनलाल शर्मा तो पहली बार विधायक बन मुख्यमंत्री बने हैं तो हरियाणा के नायब सैनी दूसरी बार विधायक बने हैं, उनके अनेक मंत्री उनसे बहुत सीनियर हैं। सिर्फ छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री विष्णु सहाय पहले तीन बार सांसद भी रह चुके हैं। समय बताएगा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ किन मुख्यमंत्रीयों को बदला जाता है या बेहतर काम करने के लिए समय दिया जाएगा।

बाहुबली से डरी महिला अधिकारी, 10 का दिया पैकेज!

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला वैसे तो अधिकारियो के लिये हमेशा से उर्वरा रहा हैं। लेकिन, इन दिनों जो मामला सुर्खियों में हैं वह एक महिला अधिकारी ओर बाहुबली के बीच का बताया जा रहा हैं। वैसे भी बाहुबली नीचे से ऊपर उठा हैं। इसलिए वह जानता हैं कि कौन कौन से मामले में लेनदेन किया गया है। चम्बल पार के इस बाहुबली ने महिला अधिकारी को अपने क्षेत्र से भगाने की कवायद शुरु की। इसकी जानकारी जब अधिकारी को मिली तो सेकंड रेंक महिला अधिकारी डरकर बाहुबली के देवरे पर धोक देने पहुंच गई। मजे की बात तो यह हैं कि अधिकारी ने बाहुबली को 10 पेटी का नजराना भी पेश कर दिया। हालांकि, यह अलग बात हैं कि बाहुबली के चाहने से इस सेकंड रेंक अधिकारी का कुछ नहीं बिगड़ना था। लेकिन, डर का क्या करें...!

विचार-मंथन

100 प्रतिशत सफलता के झूठे दावे ...

हकीकत यह है कि कोचिंग संस्थानों और उसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और उसके मुकाबले नौकरी के लिए सीटें सीमित या बहुत कम संख्या में होती हैं। ऐसे में सबको 'सौ फीसद चयन' की गारंटी देना भ्रम परोसने से कम नहीं है।सही है कि हाल के दशकों में ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्रम में कोचिंग संस्थानों की भूमिका बढ़ती गई है। बल्कि आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा जगत के दायरे में इसे कोचिंग उद्योग के नाम से जाना जाने लगा है। मगर इस क्रम में बनी निर्भरता के समांतर बहुत सारे कोचिंग संस्थान अपने यहां दाखिले के लिए जिस तरह के दावे करते हैं, अपनी उपलब्धियों, सुविधाओं और संसाधनों को इस कदर बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं कि कई विद्यार्थी इसके प्रभाव में वहां चले जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी अन्य संस्थान में पढ़ाई किए सफल अभ्यर्थी को वे अपने यहां का बता दें। हालांकि कई बार ऐसे दावे झूठे निकलते हैं।

कोचिंग संस्थानों की इस प्रवृत्ति पर कई बार सवाल उठ चुके हैं, सरकार ने सख्ती बरतने की बात कही है, खुद सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका है कि कई कोचिंग संस्थान अभ्यर्थियों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। मगर अलग-अलग तरीके अपना कर झूठे दावे करने के चलन पर अब तक रोक नहीं लगाई जा सकी है। अब एक बार फिर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों की ओर से परोसे जाने वाले भ्रम पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है। उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित इस निकाय ने उनके लिए पिछले वर्ष निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। इसके तहत कोचिंग संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके विज्ञापन 'सटीक, स्पष्ट हों और भ्रामक दावों से मुक्त' हों; विद्यार्थियों के दाखिले को लेकर बताई जाने वाली जानकारी में पूरी पारदर्शिता हो। यह छिपा नहीं है कि प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने के मद्देनजर कोचिंग संस्थान जिस तरह की प्रचार सामग्री जारी करते हैं, उनका केंद्रीय भाव यही होता है कि उनके यहां पढ़ाई करने के बाद सफलता की गारंटी और चयन की संभावना 'सौ फीसद' होगी। हकीकत यह है कि कोचिंग संस्थानों और उसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और उसके मुकाबले नौकरी के लिए सीटें सीमित या बहुत कम संख्या में होती हैं। ऐसे में सबको 'सौ फीसद चयन' की गारंटी देना भ्रम परोसने से कम नहीं है।

गौरतलब है कि आइआइटी-जेईई परीक्षा के नतीजों की तारीख नजदीक है। आमतौर पर इसी तरह की किसी बड़े महत्व की परीक्षा के नतीजों के बाद कई कोचिंग संस्थानों की ओर से ऐसे दावे किए जाते हैं कि उनके यहां पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों ने कामयाबी हासिल की है। इस क्रम में वे कई बार दूसरे संस्थानों के विद्यार्थी का नाम भी फर्जी तरीके से इस्तेमाल करते हैं। इसका मकसद यही होता है कि इस तरह के प्रचार को देख कर नए विद्यार्थी उनके संस्थान में दाखिला लेने को लेकर प्रभावित होंगे और इस तरह उनके कारोबार का विस्तार होगा। जबकि इसके बरक्स हकीकत यह होती है कि बहुत सारे सफल अभ्यर्थियों का ऐसा दावा करने वाले संस्थानों से कोई वास्ता नहीं होता। कोचिंग संस्थानों को यह स्पष्ट करने की जरूरत महसूस नहीं होती कि सीमित अवसरों के दौर में सभी अभ्यर्थियों की शत-प्रतिशत सफलता की गारंटी वे किस आधार पर देते हैं। इस तरह के दावे एक तरह से झूठ का कारोबार होते हैं, जिसके जाल में फंस कर बहुत सारे विद्यार्थियों का सपना आमतौर पर अधूरा रह जाता है। ऐसे में अपने संसाधनों और क्षमताओं के बारे में बढ़-चढ़ कर झूठे दावे करने वाले कोचिंग संस्थानों पर लगाम लगाना वक्त की जरूरत है।

आखिर न्यायपालिका को सुपर संसद के रूप में काम करने की इजाजत

कमलेश पांडे

भारतीय लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका में पारस्परिक टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह जनहित में होना और दिखाई देना चाहिए। लेकिन अब जिस तरह से अपनी नाकामियों और चरित्रहीनता को छिपाने के लिए ये लोग संवैधानिक नियमों का दुरूपयोग कर रहे हैं, वह किसी वैचारिक त्रासदी से कम नहीं है। देश के प्रबुद्ध लोगों को इन संवैधानिक कमियों को पहचानना चाहिए और उसपर अविलंब लीगल सर्जिकल स्ट्राइक करने का दबाव भारतीय संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर बनाना चाहिए।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि राष्ट्रीय संसाधनों के न्यायपूर्ण बंटवारे, विधि-व्यवस्था को बनाए रखने और उसे तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सबको समान रूप से गुणवत्तापूर्ण जन सुविधाएं मुहैय्या करवाने में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों असफल साबित हुए हैं और इनके ऊलजलूल तर्कों से देश इस्लामिक चरमपंथियों के नापाक मंसूबों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ प्रतीत हो रहा है! राष्ट्रपति शासन, आरक्षण विवाद, भाषा विवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि सुलगते सवालों पर राष्ट्र का सही मार्गदर्शन करने में भी ये संस्थाएं विफल प्रतीत हो रही हैं। ऐसे में इनकी नकेल कसने के लिए भारतीय संविधान कभी कारगर साबित हो ही नहीं सकता, क्योंकि यह खुद साम्राज्यवादी मानसिकता वाले विरोधाभासों से भरा पड़ा है।

ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और सुपर संसद के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है। देश के विश्वविद्यालयों और अन्य पेशेवर संगठनों को इन पर गौर फरमाते हुए आम राय कायम करने की जरूरत है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता! उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आरोप लगाया है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद-142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है जो न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी करने की शक्ति देता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है और कहा है कि, हमारे पास ऐसे जज हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के काम करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 17 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार को कहा कि हाल ही में जूडिशरी के एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिये जाने की पनपी नई प्रवृत्ति पर ठीक ही सवाल किया कि हम किस दिशा में जा रहे हैं? हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है। धनखड़ ने यह टिप्पणी राज्यसभा के ट्रेनीज को संबोधित करते हुए की। उन्होंने ठीक ही कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने कहा कि यह निर्देश किस आधार पर दिए जा रहे हैं? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण पर कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति तथा चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका फले-फूलें। किसी एक के द्वारा दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर नकदी की बरामदगी से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने ठीक ही कहा कि अगर यह घटना आम आदमी के घर पर हुई होती, तो मामले में रॉकेट की रफ्तार से एफआईआर दर्ज की जाती। जबकि न्यायपालिका की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि किसी संस्था या व्यक्ति को पतन की ओर धकेलने का सबसे पुख्ता तरीका उसे जांच से सुरक्षा की पूर्ण गारंटी प्रदान करना है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली हाइकोर्ट के एक जज के घर मिले कथित कैश की ओर इशारा करते हुए उस पर लीपापोती की नाजायज प्रवृत्ति पर भी सवाल उठाए। धनखड़ ने दो टूक शब्दों में कहा कि हाई कोर्ट के एक जज के घर से मिले कैश से जुड़े मामले में एफआईआर न होना आमलोगों के सवालों के घेरे में है। इसलिए सवाल उठाया कि क्या कानून से परे एक श्रेणी को अभियोजन से छूट है। उन्होंने ठीक ही कहा कि जूडिशरी की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। एक पत्रकार के रूप मेरी भी व्यक्तिगत राय है कि न्यायिक भ्रष्टाचार की जांच के लिए न्यायिक पुलिस और पत्रकारिता के भ्रष्टाचार की जांच के लिए मीडिया पुलिस का अविलंब गठन किया जाए। प्रशासनिक व्यवस्था के किसी भी क्षेत्र को स्वनियमन बनाने और लागू करने की छूट नहीं दी जाए।

इसलिए यहां पर सवाल उठता है कि आखिर न्यायपालिका को सुपर संसद के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी? मेरा स्पष्ट मानना है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राप्त भारी जनसमर्थन का रणनीतिक दुरूपयोग किया, जिससे न्यायपालिका को विधायिका को दुरुस्त करने का मौका मिल गया, जो अनुचित नहीं है। किसी भी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, राज्यपाल, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री आदि को वोट बैंक के लिहाज से जनविरोधी या राष्ट्र विरोधी फैसले लिए जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है।

ऐसे में मजबूत व स्वतंत्र न्यायपालिका जरूरी है। लेकिन भ्रष्ट न्यायपालिका कतई नहीं! देश में फैला न्यायिक भ्रष्टाचार हमारी विधायिका की लगभग 8 दशकों की बड़ी लापरवाही है। वहीं, प्रशासनिक भ्रष्टाचार में भी विधायिका का परोक्ष रूप से हिस्सेदार बन जाने की प्रवृत्ति भी अस्वीकार्य है। सारे टकराव की वजह भी यही भ्रष्ट और अनैतिक आचरण है। मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय संविधान से नौवीं अनुसूची को हटाकर उसमें शामिल किए गए सभी विषयों की न्यायिक समीक्षा होनी चाहिए, ताकि राजनीतिक मनमानी रुके।

छोटी-छोटी खुशियों में छिपा है जीवन का सार

नूरी खान

जीवन एक अमूल्य निधि है। इसके छोटे-छोटे अनुभवों को सहेजना इसे अधिक समृद्ध करता है। इसलिए जीवन की सार्थकता इसी में है कि इसे अपने कार्य और व्यवहार से भी सार्थकता प्रदान की जाए, तभी समग्र रूप से एक सफल जीवन यापन की कल्पना सच होती है। अगर यह सोचा जाए कि एक जीवन तो मेरे सारे सपनों को पूरा नहीं कर सकता, तो ऐसा सोचने वाला व्यक्ति जीवन भर निराशा में डूबा रहता है। ऐसे में वह एक जीवन में प्राप्त हो सकने वाले लक्ष्य को भी नहीं पाता। जीवन की सार्थकता इसमें है कि हमने छोटे-बड़े जो भी कार्य किए हैं, उससे हमें संतुष्टि हो।

अगर इस जीवन को भरपूर सामर्थ्य और समग्रता के साथ जिया जाए तो जीवन सार्थक होगा। ऐसा माना जा सकता है कि जीवन इतना पवित्र, इतना असाधारण और इतना संभावना पूर्ण है कि वह निरर्थक हो ही नहीं सकता। सच है, अगर भरपूर साहस और दैनिक मूल्यों के साथ जीवनयापन किया जाए तो एक जीवन ही बहुत है, लेकिन यह कैसे संभव हो? इस प्रश्न का उत्तर अंगुलियों पर गिने जाने वाले चंद महान कार्यों में नहीं, बल्कि हजारों छोटे-छोटे कार्यों में है, जो हर दिन को पूरी तरह जीने की चेष्टा में है। बस कुछ बातों को आत्मसात करने भर की देर है, फिर जीवन परिपूर्णता के भाव से भर उठेगा।

आवश्यक है चुनौती और पीड़ा को स्वीकार करने की। व्यक्ति को तकलीफों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए, अन्यथा न तो मन में आशाएं जागेंगी, न हम हिम्मत जुटा सकेंगे। इसी तरह, पीड़ा की अनुभूति आवश्यक है। वरना हम आनंद का अर्थ नहीं समझ पाएंगे। हममें से अनेक अपने टूटे सपनों का दर्द, ठुकराए जाने की कसक और स्वास्थ्य की पीड़ा लिए घूमते हैं। लेकिन समस्या सुलझाएं कैसे? दुख के आगे हार न मानने वाले उपाय सोचना चाहिए। फिर ईश्वर की अनुकंपा से हमें दुख में सहारा देने वाले लोग मिले हैं।

पीड़ा जीवन का अंग है। उसे स्वीकार करने का प्रयास अपनी आत्मा के एक अंश खोने जैसा है। टूटी हड्डियों की तरह टूटे दिल भी आखिर जुड़ जाते हैं। इसलिए भरोसा करना चाहिए कि दुख और पीड़ा के आगे भी जीवन है। पीड़ा का सामना करने के लिए अपनों से निकटता बनाए रखना चाहिए। जिन लोगों के साथ हम अपने जीवन का एक पूरा समय व्यतीत करते हैं, जिनके साथ हम अपने आप को बांटते है, उनसे गहरी आत्मीयता से जुड़े रहना चाहिए, क्योंकि जो कुछ हम जीवन में बनाते हैं, एकत्र करते हैं, उसमें बहुत कुछ रेत पर बने महल की तरह है। न जाने कब, कौन-सी लहर बहा कर ले जाए। ऐसे में कोई सहारा देने वाला, बिखराव को समेटकर हाथ थामने वाला हाथ अगर हो तो जीवन की शुरुआत नए सिरे से प्रारंभ करने में देर नहीं लगती। साथ ही सृजनात्मक कार्यों में अपनी ऊर्जा लगाने की जरूरत है। व्यक्ति अपनी शक्ति और सामर्थ्य से छोटे, मगर सही कार्यों में अपनी ऊर्जा लगाए तो परिणाम संतोषप्रद रहता है। अच्छे और महान कार्य करने का श्रेय किसी वर्ग विशेष तक सीमित नहीं। वैसे भी अच्छा कार्य वही है, जो दूसरों को लाभ और खुद को शांति प्रदान करे। ऐसे छोटे, लेकिन महत्वपूर्ण कार्य व्यक्ति को बचाते हैं।

मृत्यु से पहले भी जीवन है। दार्शनिक होरेस कैलेन ने कहा था- 'दुनिया में ऐसे लोग भी हैं, जो मौत से आतंकित रहते हुए जीते हैं और ऐसे भी हैं, जो जीवन का आनंद लेते हुए समय व्यतीत करते हैं।' पहली श्रेणी के लोग मरे हुए जिंदा रहते हैं। दूसरे जीवन से भरपूर रहकर मृत्यु का अंगीकार करते हैं। इसलिए दूसरी श्रेणी के लोगों का जीवन सार्थक है, क्योंकि वे महान बनाने वाले कारनामों की खोज में भटकना छोड़ उसकी जगह छोटे, मगर उन क्षणों को भरने का प्रयास करते हैं, जो संतोषप्रद हों। तब शायद इस प्रश्न का उत्तर मिल जाए कि जीवन क्या है?

इस पर भी जीवन ईश्वर या प्रकृति के बिना पूर्ण नहीं हो सकता। हम अपने आप को प्रकृति से बिना जोड़े जीवन की सार्थकता के चरम का अनुभव नहीं कर सकते। हमारे जीवन को दैहिक स्तर मात्र से ऊपर उठने के लिए कुदरत ने बहुत कुछ किया है। कई नैतिक दायित्वों की सीमा तय की हैं। स्वभाववश मानवीय गुणों का विकास किया है और मानव जीवन की किसी नैतिक आचरण के आधार पर परख होती है कि हम हारे या जीते? केवल ईश्वर ही जानता है कि हम क्या हैं। इस आधार पर नहीं कि हमने क्या किया है? ईश्वर न केवल हमें अपनी विफलताओं के लिए क्षमा करता है, बल्कि हमारे हर छोटे कार्यों का श्रेय हमें देता है। उनका भी, जिन्हें हमारे आसपास के लोग भुला चुके होते हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि जीवन में प्रेम का कोई विकल्प नहीं है। प्रेम मनुष्य को अपने आप में संतुष्ट करता है। प्रेम पाने का नहीं, देने का नाम है और देकर ही हम संतुष्ट होते हैं। कुदरत द्वारा मनुष्य को दिया गया यह एक विलक्षण और अद्भुत भाव है, जो मानव को ईश्वर तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करता है। महान और बड़े कार्यों की चिंता और विचार में अपने जीवन को खत्म करने से अच्छा है छोटे, महत्वपूर्ण और संतोषप्रद भावों, विचारों और कार्यों को जीवन में जगह दी जाए। यही सार्थक जीवन का आधार बनते हैं।

नयी विश्व संरचना में विरासत एवं विकास का समन्वय अपेक्षित

दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीज़ा का 'ग्रेट पिरामिड' आज भी रहस्य बना हुआ है। विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन् 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यतः तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया। पहले वह धरोहर स्थल जो प्राकृतिक रूप से संबद्ध हो अर्थात प्राकृतिक धरोहर स्थल, दूसरे सांस्कृतिक धरोहर स्थल और तीसरे मिश्रित धरोहर स्थल। वर्ष 1982 में इकोमार्क नामक संस्था के ट्यूनिशिया में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस में यह बात उठी कि विश्व भर में विरासत दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए। यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासतः आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख। यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीज़ा का 'ग्रेट पिरामिड' आज भी रहस्य बना हुआ है। 481 फीट ऊंचा यह पिरामिड विश्व के आठ प्राचीन अजूबों में शामिल है और माना जाता है कि इसे चांद से भी देखा जा सकता है। माचू पिच्चू, पेरू यह ऐतिहासिक स्थल पेरू की पहाड़ियों पर बसा है और रहस्यमयी और खूबसूरत माचू पिच्चू को 'इंकाओं का खोया हुआ शहर' भी कहा जाता है। चीन की महान दीवार दुनिया की सबसे लंबी दीवार है, जिसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजाओं और साम्राज्यों द्वारा रक्षा के लिए बनाई गई थी। आगरा का ताजमहल मोहब्बत एवं प्रेम की सबसे खूबसूरत मिसाल है। इसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। यह सफेद संगमरमर की इमारत भारत की सबसे मशहूर धरोहरों में से एक है। क्राइस्ट द रिडीमर, ब्राजील रियो डी जेनेरियो में स्थित यीशु की यह विशाल प्रतिमा 30 मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा न सिर्फ धार्मिक प्रतीक है, बल्कि शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पेट्रा, जॉर्डन रेगिस्तान के बीच स्थित पेट्रा शहर अपनी अनोखी लाल पत्थर की इमारतों और मंदिरों के लिए जाना जाता है। इसकी वास्तुकला और नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। कोलोसियम, रोम (इटली) प्राचीन रोम के सम्राटों द्वारा बनवाया गया यह विशाल अखाड़ा कभी ग्लैडिएटरों की लड़ाई का गवाह था। यह आज भी रोम की पहचान बना हुआ है और विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

आज का राशिफल

मेष ... सुभांक-[illegible]

वृषभ ...

मिथुन ...

कर्क ...

सिंह ...

कन्या ...

तुला ...

वृश्चिक ...

धनु ...

मकर ...

कुंभ ...

मीन ...

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5573

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5572

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5573

संकेत: बाएं से दाएं

1. ये तिब्बत के राष्ट्राध्यक्ष और आध्यात्मिक गुरु है, यह एक मंगोलियाई पदवी है, जिसका मतलब होता है ज्ञान का महासागर (5)
6. बराबर, विभाजन (2)
7. विम्बलडन नाम इस खेल से जुड़ा है (5)
10. [illegible] (2)
11. हस्तलिखित, [illegible] (3)
12. सिंह या शेर को यह भी कहते है (4)
14. पेरिस शहर इस नदी के किनारे बसा है, यह नदी इंग्लिश चैनल में जाकर मिलती है (2)
15. क्रम में प्रथम, आदिम (3)
16. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
17. जननी, माँ, मातृ, पैदा करने वाली स्त्री (1)
18. पश्चिमी अफ्रीका के देश घाना की यह राजधानी है (3)
19. अपमान (अंग्रेजी)(2)
21. श्रीराम के भाई भरत के ज्येष्ठ पुत्र का यह नाम था (2)
22. पुराणानुसार एक प्रकार के देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)
23. धमनी, [illegible], रग (2)

ऊपर से नीचे

1. दस दिन का आयोजन या कार्यक्रम (6)
2. अलका, जुल्फ (2)
3. प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना की (8)
4. इज्जत, प्रतिष्ठा, आबरू, मानदंड (2)
5. पवन, वायु, हवा (3)
8. तकनीकी संबंधी जानकारी रखने वाला (6)
9. वायु, पवन, बयार (3)
10. बृहस्पति की पत्नी का नाम (2)
13. महिला ईसाई पादरी (2)
16. शरीर का एक संवेदी अंग (2)
18. [illegible] (2)
20. किसी महाविद्यालय का प्रमुख (2)

वर्ग पहेली 5572 का हल

भी	व		कि	री	जा	खा	द
पा	र	खा	त		न	ग	र
	प	ह	र		ढी		मा
ह	र	क	त		ढी	र	
द	क्ष			सु	र	ज	
क		सु	न		म	क	र
र	ख	ना		पा	ना		भि
ना	त			क	ना	ग	त

भागवत कथा के बाद किया देवी हवन यज्ञ तीसरा भण्डारा संपन्न : पं.सुशील महाराज

भोपाल (नप्र)। मां शीतला माता मंदिर पर संपन्न हुई सफल श्रीमद् भागवत कथा के बाद आज दिनांक 19-4-2025 को कार्यकर्ताओं के सम्मान में श्री शिव शक्ति धाम सिद्धाश्रम में पं0सुशील महाराज द्वारा देवी हवन यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। श्रीमद् कथा के तीन भण्डारा आयोजित किए गये।पहला भण्डारा भागवत पाण्डाल में कथा समापन दिवस 14 अप्रैल को संपन्न हुआ।दूसरा भण्डारा 15 अप्रैल को श्री हनुमान सेना को करवाया गया।तीसरा भण्डारा देवी हवन यज्ञ करके 19 अप्रैल को कार्यकर्ताओं को सपरिवार खिलाया गया।भागवत कथा कार्यक्रम के संरक्षक श्री विजय सिंह एवं श्री श्याम सुंदर शर्मा व श्री मायाराम अटल के मतानुसार भागवत कथा में उपलब्ध शेष सामग्री से कार्यकर्ताओं को सपरिवार भण्डारा भंण्डारा खिलाया गया।श्री कृष्णा राठौर द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी आगंतुकों को चंदन का तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। वहीं श्री मायाराम अटल द्वारा देवी हवन यज्ञ पूर्ण होने पर मातारानी का चुनरी पट्टा कार्यकर्ताओं के गले में पहनाकर सम्मानित किया गया।श्री संतोष जैन एवं शुभम पाण्डेय व श्री लखन परमार द्वारा सभी देवी-देवताओं को दीपदान किया गया।श्री कृष्णा पाण्डेय एवं च्यवन प्रकाश पाण्डेय द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को श्री हरि रक्षा कवच+ वितरण किये गये।श्री पी डी सोनी ने सभी कार्यकर्ताओं को भागवत कथा सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।एवं श्री अनूप पाण्डेय ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला

भोपाल निप्र। शहर में चाकूबाजी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार देर शाम अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में एक बार फिर आपसी रंजिश का मामला हिंसा में तब्दील हो गया। तीन बदमाशों ने मिलकर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव ने बताया कि घायल युवक सोहेल मेवाती की शिकायत पर पुलिस ने आकिब, अमन बच्चा और अन्नू बच्चा के खिलाफ आईपीसी की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि फरियादी और आरोपी पहले ऐशबाग इलाके में साथ रहते थे और आपस में लेनदेन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। शनिवार को इसी रंजिश को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले गई। आरोप है कि आकिब, अमन और अन्नू ने मिलकर सोहेल की कलाई और माथे पर चाकू से वार किए और मौके से फरार हो गए। आसपास के लोगों ने घायल को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने नव दम्पति को दिया आशीर्वाद

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर में विधायक श्री मधु वर्मा और पूर्व पार्षद श्री बलराम वर्मा के परिवार में आयोजित विवाह समारोह शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिं.मलय और सौ. कां.डॉ. तृषा को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके सुखद, स्वस्थ एवं सफल दांपत्य जीवन की मंगलकामनाएँ दीं। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी गौड़ सहित श्री गोलू शुक्ला, श्री सुमित मिश्रा, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं श्री मधु वर्मा के परिवारजन भी उपस्थित रहे।

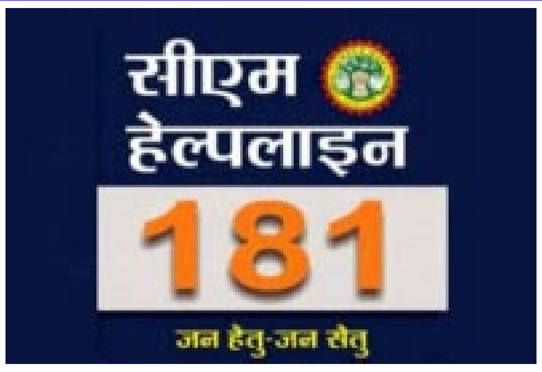

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में नीमच जिला प्रदेश में टॉप जिलों में शामिल

नीमच, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सीएम हेल्पलाईन पोर्टल्स पर प्राप्त शिकायतो में माह मार्च 25 की ग्रेडिंग मंब कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिला लगातार पांचवी बार ए ग्रेड के साथ प्रदेश में चौथा स्थान पर शामिल हुआ है।

जिला प्रबंधक श्री आशीष जैन ने बताया, कि माह मार्च 25 में 3071 प्राप्त शिकायतो में से संतुष्टि के साथ बंद शिकायतों का वेटेज (60%) में से 49.82 % एवम 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का वेटेज (20%) में से 14.26 % कुल वेटेज 83.80 % के साथ नीमच जिले को ए रेटिंग प्राप्त हुई। समूह बी में 27 जिलो में जिला चौथे स्थान रहा हैं। उल्लेखनीय है, कि कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के लिए प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर किरन आंजना द्वारा माह में समस्त विभागों की शिकायतों के निराकरण के लिए सतत मॉनिटरिंग की गई। साथ ही शिकायतकर्ता को भी अवगत करवाया। फलस्वरुप आवेदकों द्वारा शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद करवाया गया है इसी का परिणाम है, कि नीमच जिला सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में प्रदेश में चौथा स्थान हासिल कर पाया हैं। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने इस उपलब्धि का श्रेय नीमच जिले के सभी जिला अधिकारियों एवं उनकी टीम तथा सभी अधिकारी कर्मचारियों को दिया हैं।

न्यूनतम वेतन के एरियर्स का भुगतान सुनिश्चित करने सहित कई मांगों को लेकर सीटू ने दिया ज्ञापन

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) जिला शाखा मंदसौर द्वारा मध्यप्रदेश शासन के श्रमायुक्त के नाम ज्ञापन श्रम कार्यालय पहुंचकर लेबर इंस्पेक्टर को देकर न्यूनतम वेतन के एरियर्स का भुगतान सुनिश्चित करने सहित अन्य मांगें की गई। ज्ञापन में वाचन सीटू महासचिव बालूसिंह ने किया। ज्ञापन में कहा कि पिछले न्यूनतम वेतन पुनरीक्षण की प्रक्रिया व परिणाम को देखने से स्पष्ट है कि उसमें प्रदेश के श्रमिकों के वैधानिक अधिकार पर कुठाराघात हुआ है। न्यूनतम वेतन अधिनियम के तहत पांच वर्ष में न्यूनतम वेतन पुनरीक्षण के प्रावधान का पालन मध्यप्रदेश सरकार ने नहीं किया। नवंबर 2019 से यह पुनरीक्षण किया गया लेकिन इसके हितलाभ 01 अप्रैल 2024 से दिए गए, इससे श्रमिकों को भारी क्षति पहुंचाई गई। वहीं 1 अप्रैल 2024 से प्रभावशील इन पुनरीक्षित दरों को कानूनी लड़ाई में उलझा दिया गया, जिसका निराकरण माननीय म प्र उच्च न्यायालय के इंदौर खंडपीठ में 10 फरवरी 2025 की अंतिम सुनवाई के बाद 21 फरवरी को घोषित निर्णय के जरिए हुआ। आपके कार्यालय से 28 फरवरी 2025 को जारी परिपत्र से समूचे मध्यप्रदेश में 01 अप्रैल 2024 से पुनरीक्षित वेतन प्रभावशील हो गया। यह स्पष्ट है कि मार्च 2025 का वेतन, जिसका भुगतान अप्रैल 2025 में हुआ, बढ़ी दरों के साथ होने के साथ 01 अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक एरियर्स का भुगतान होना था। मध्य प्रदेश के बड़े हिस्से में बढ़ी हुई दरों से वेतन भुगतान तो हुआ है लेकिन एरियर्स का भुगतान नहीं हुआ। स्पष्ट है कि न्यूनतम वेतन कानून के दायरे में आने वाले लाखों औद्योगिकश्रमिक, दैनिक वेतन भोगी ठेका, आउटसोर्सिंग कर्मियों, संविदा कर्मी को वैधानिक रूप से देय राशि को हड़पा जा रहा है। जहाँ जहाँ औद्योगिक श्रमिक, ठेका, श्रमिक, आउटसोर्सिंग कर्मी दैनिक वेतन भोगी, संविदा बढ़ी हुई दरों से एरियर्स के भुगतान की मांग अपने-अपने नियोजकों से कर रहे हैं, वहां उन्हें न सिर्फ प्रताड़ित किया जा रहा है, बल्कि कई जगह तो उन्हें नौकरी से भी निकाला जा रहा है। ऐसी स्थिति में न सिर्फ आपके प्रभावी हस्तक्षेप की जरूरत है, बल्कि एरियर्स के भुगतान हेतु प्रभावी कदम उठाने की भी जरूरत है। इसलिए हमारी मांग है कि-

01 अप्रैल 2024 से बढ़ी दरों से वेतन के एरियर्स के भुगतान हेतु श्रम विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जाए। इस संबंध में श्रम विभाग की ओर से कोई हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाए जहां एरियर्स के भुगतान न होने की स्थिति में शिकायत दर्ज हो सके। तीन नए

नियोजन जनवरी 2025 में बने हैं। यह न्यूनतम वेतन पुनरीक्षण नवंबर 2019 के आधार पर पांच वर्ष के लिए (अक्टूबर 2024 तक) हुआ। इस अवधि में टेक्स्टाइल संबंधी नियोजन पुराने अधिसूचित नियोजनों में शामिल थे। इसलिए इन नियोजनों में भी बढ़ी दरों के एरियर्स सहित विधिसम्मत भुगतान हेतु श्रम विभाग समुचित कदम उठाए। नवम्बर 2019 से मार्च 2024 तक के एरियर्स के भुगतान के लिए भी समुचित प्रक्रिया चलाई जाए। अक्टूबर 2024 में पूर्व के पुनरीक्षण के पांच वर्ष पूर्ण हो गए, इसलिए नए पुनरीक्षण की प्रक्रिया तुरंत प्रारंभ की जाए। इस पुनरीक्षण हेतु यह भी स्पष्ट निर्णय किया जावे की जब भी पुनरीक्षण प्रक्रिया सम्पन्न हो, लेकिन भुगतान उसी दिनांक से हो, जिस दिनांक को पुनरीक्षण की अवधि (यानी पूर्व के पुनरीक्षण के पांच वर्ष पूर्ण हो) प्रारंभ हो जाती है।

ज्ञापन में मांग की कि लाखों श्रमिकों व कर्मियो को वैधानिक रूप से देय एरियर्स तथा बढ़ी दरों से भुगतान सुनिश्चित कराने हेतु सक्षम कार्रवाई करेंगे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो श्रमिकों-कर्मियों में बढ रहे असंतोष औद्योगिक शांति के लिए खतरा बन जावेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रदेश के नियोजक वर्ग व श्रम विभाग की होगी। इस अवसर पर सीटू के अध्यक्ष अशोक सौलंकी, महासचिव बालूसिंह, नगरपालिका के शाकीर, तुलसीराम पढ़ाईपंथी, बंटी कहार, मुनव्वर अली, धर्मेन्द्र कहार, पोखर, हेमंत सुखलिया, जसवंत सिंह देवड़ा, दुर्गाशंकर कुमावत, भूपेन्द्र सौलंकी, सतीश कोड़ावत, मुकेश माली, देवीलाल माली, मनोहर, जगदीश कहार, दीपक, आरआरबी से दीपक डगवार, टीकमचंद, प्रहलाद माली, भंवरलाल, बाबूलाल खिंची, विनोद बैरागी, राजेश प्रजापत, शेरसिंह, रमेश माली, विजय भावसार, दिनेश माली, प्रेमसिंह चन्द्रावत, दीपक शर्मा आदि उपस्थित थे। अंत में आभार सीटू महासचिव बालूसिंह ने माना।

मप्र विधानसभा कृषि विकास समिति का दौरा प्रारंभ

नीमच, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। किसानों की उपज को बढावा देने और उनकी समस्याओं का निराकरण करने और दुग्ध उत्पादन में वद्धि के उपायों को लेकर म.प्र.विधानसभा की कृशि विकास समिति का अध्ययन दौरा 21 अप्रैल को केरवा डेम भोपाल स्थित म.प्र.राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम केन्द्रीय वीर्य संग्रहण केन्द्र से प्रारंभ हुआ। समिति 23 अप्रैल तक भोपाल व उज्ञैन संभाग के मंदसौर-नीमच जिले का दौरा करेगी।

समिति सभापति विधायक दिलीपसिंह परिहार के नेतृत्व में 11 सदस्यीय समिति की दौरे की शुरूआत म.प्र.विधानसभा में प्रारंभिक चर्चा से की, जिसके बाद समिति सदस्य प्रात: 11 बजे केरवा डेम भोपाल स्थित म.प्र.राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम केन्द्रीय वीर्य संग्रहण केन्द्र पहुंचे जहां पशुधन और कुक्कुट विकास योजनाओं, वीर्य संग्रहण प्रक्रिया एवं गुणवत्ता के रखरखाव का अवलोकन एवं देशज नस्लों के संवर्धन एवं संरक्षण हेतु किये जा रहे कार्यों को देखा। म.प्र.राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम अंतर्गत बुल मदर फार्म एवं संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी अंतर्गत स्थित डेयरी एस्टेट में दुग्ध उत्पादन फार्म का अवलोकन एवं संचालन पद्धति/प्रक्रिया का अध्ययन व फार्म पर रखी गई पशुओं की नस्लों एवं उनकी उत्पादकता की जानकारी तथा विगत तीन वित्तीय वर्षों की प्रक्षेत्रवार लाभ/हानि की जानकारी, आय के साधन एवं व्यय मदवार एवं उपलब्ध अन्य संसाधनों का अवलोकन एवं देशीय नस्लों के संवर्धन एवं संरक्षण कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त की गई। विकास निगम द्वारा समिति के सदस्यों का अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात् मध्यप्रदेश राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम गोविंदपुरा भोपाल में समीक्षा बैठक कर बीज प्रक्रिया केंद्र का निरीक्षण किया। साथ ही सांची दुग्ध प्लांट एवं नवीन लैब का निरीक्षण किया गया, जहां किसानोंसे दूध कलेक्शन की स्थिति, प्रोडक्ट का प्रोडक्शन, नई लैब का निरीक्षण एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा की गई। इस अवसर पर समिति के सदस्य विधायकगण उमाकांत शर्मा, श्रीकांत चतुर्वेदी, नरेंद्र प्रजापति, साहिबसिंह गुर्जर, विधानसभा अधिकारी अरविंद शर्मा, महावीरसिंह सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

नरवाई जलाने पर प्रशासन ने की कार्रवाई

जिले में अब तक 40 प्रकरणों में 1.42 लाख से अधिक राशि का जुर्माना

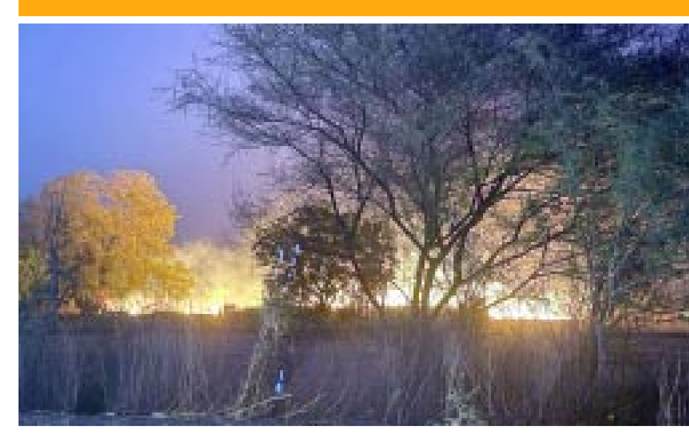

नीमच, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन द्वारा नरवाई जलाने के विरूद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है। रविवार को गांव रेवली- देवली के एक किसान द्वारा अपने खेत में नरवाई जलाने पर कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार तहसीलदार नीमच ग्रामीण द्वारा किसान के विरूद्ध नीमच सिटी थाने में एफ.आई.आर दर्ज करवाई गई है। जिले में नरवाई जलाने पर अब तक कुल 40 प्रकरणों में एक लाख 42 हजार 500 रूपये का अर्थदण्ड राजस्व अधिकारियों द्वारा आरोपित किया गया है। जिले में म.प्र (वायु प्रदूषण निवारण नियत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 19(5) के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा एक मार्च 2025 से जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबधात्मक आदेश लागू किया गया है।

तहसीलदार श्री प्रेमशकर पटेल ने बताया, कि 20 अप्रैल को नरवाई जलाने और इससे आस-पास के खेतों में आग लगने की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए किसान सूरजमल पिता रामेश्वऔर ब्राहमण निवसी रेवली-देवली के विरूद्ध बी.एस.एन की धारा 223 के तहत नीमच सिटी पुलिस थाने में अपराध पंजीबृद्व करवाया गया है।इसके अतिरिक्त पटवारी श्री रविन्द्र सिंह द्वारा नरवाई जलाने सम्बधी सूचना नही देने और कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर पटवारी को निलम्बित कर दिया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत निबंध प्रतियोगिता एवं जागरूकता रैली निकाली

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य नदी, तालाब, पुरानी बावडी सार्वजनिक कुंआ की स्वच्छता और संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह अभियान जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया । जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कई गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद द्वारा चयनित नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति द्वारा शासकीय विद्यालय में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जागरूकता हेतु निबंध प्रतियोगिता की गई एवं गांव में जल गंगा संवर्धन की जागरूकता रैली निकाली गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्रेमपुरिया में चौपाल सम्पन्न

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जनअभियान परिषद द्वारा भानपुरा ब्लॉक के ग्राम प्रेमपुरिया मेंग्राम के नागरिको को चौपाल आयोजित कर जल गंगा संवर्धन अभियान के बारे में जानकारी दी गई। चौपाल के दौरान उन्हे बताया गया कि जल हमारे जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य है। जल की एक-एक बूंद का महत्व हमें समझना होगा। जल को व्यर्थ ना बहावेऔर जल का सदुपयोग करेंहमारे जल स्रोत जैसे- कुआ, बावड़ी, तालाब,पानी की टंकी, हैंडपंप आदि स्थानों को सुरक्षित एवं साफ सुथरा करनै हेतू प्रयास करें। जल

के इस महत्वपूर्ण संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। जल को स्वच्छ बनाना है। एवं अपव्यय को रोकना है। यह कार्य किसी एक का नहीं है, यह कार्य हम सभी का है। क्योंकि जल का उपयोग हम सभी करते हैं। हमारे सभी के लिए जल का सदुपयोग करना और बचाना यह मानवीय कर्तव्य और हमारा उत्तरदायित्व भी है। चौपाल के पश्चात सभी लोगों को जल बचाने हेतु शपथ दिलाई गई। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत दीवार लेखन भी किया गया।

देवी अहिल्याबाई का त्रिशताब्दी समारोह मनाया

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। लोकमाता देवी अहिल्याबाई का त्रिशताब्दी मनाया गया जिसमें छात्रों को इनकी जीवनी, से जुडी एक शार्ट फिल्म दिखाई गई। जिससे स्वात्रों. ने अहिल्याबाई के बचपन से लेकर सम्पूर्ण जीवन की जानकारी दी गई। अहिल्याबाई इनके जीवन से जुडे हुए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालय में किया गया; जिसमें पोस्टर । मैकिंग, निबंध लेखन वाद-विवाद, भाषण एवं प्रश्नोत्तरी रही। इन, प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियो द्वारा उत्साहपुर्वक भाग लिया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य महोदय श्री रामान्नुय प्रवास, गोपाल जोशी. बंशीलाल शर्मान्सू एवं मंजू राठौर दाएं है उनके जीवन से संबंधित प्रेरक प्रसंग सुनाए गए। प्रतियोगिता मे भाग लेने वाले उत्कृष्ट विद्यार्थियों को पुरुस्कृत दिया गया गया।

इंडस्ट्रियल सिस्टर सिटी के रूप में उभरता मप्र का नया टेक्सटाइल हब नीमच

सीएम डॉ. मोहन यादव ने नीमच में किया स्वराज सूटिंग्स का लोकार्पण और सुविधि रेयॉन्स का भूमिपूजन

नीमच, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश का नीमच जिला अब राजस्थान के भीलवाड़ा की इंडस्ट्रियल सिस्टर सिटी के रूप में तेजी से उभर रहा है। यहां दो प्रमुख टेक्सटाइल परियोजनाओं की शुरुआत से एक नया टेक्सटाइल हब आकार ले रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज, 20 अप्रैल को स्वराज सूटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रथम चरण का लोकार्पण और सुविधि रेयॉन्स प्राइवेट लिमिटेड का भूमिपूजन कर इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। ये दोनों परियोजनाएं नीमच को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इस अवसर पर उप मुख्यममंत्री श्री जगदीश देवड़ा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सत्यणनारायण जटिया, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायकगण श्री ओमप्रकाश सखलेचा, श्री दिलीपसिंह परिहार, श्री अनिरूद्व मारू , जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह चौहान एवं जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा सहित अधिकारीगण एवं बडी संख्या में उद्योगपति और बड़ी संख्या में जनसमुदाय उपस्थित था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नीमच अब भीलवाड़ा की इंडस्ट्रियल सिस्टर सिटी के रूप में पहचान बना रहा है। स्वराज सूटिंग्स और सुविधि रेयॉन्स जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां, जो भीलवाड़ा से नीमच आई हैं, न केवल निवेश लेकर आई हैं, बल्कि हजारों लोगों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी सृजित कर रही हैं। नीमच अब टेक्सटाइल क्षेत्र में नया इतिहास लिखने को तैयार है, जो मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर भारत के सपने की ओर अग्रसर करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने में मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, और रोजगार आधारित विकास के लिए राज्य सरकार ने कई ठोस कदम उठाए हैं। हाल ही में भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में 30.77 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे 21.4 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे। रीवा, उज्जैन, जबलपुर और नर्मदापुरम में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव्स के माध्यम से निवेश को छोटे जिलों तक पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास दिलाया कि आज नीमच में केवल टेक्सटाइल इकाइयों का शुभारंभ नहीं हुआ है, बल्कि नीमच की एक नई औद्योगिक पहचान स्थापित हो रही है। हम हर हाथ को हुनर, हर जिले को उद्योग और हर परिवार को समृद्धि का अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने निवेशकों और नागरिकों से आत्मनिर्भर और समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण में सहयोग देने की अपील की।

स्वराज सूटिंग्स: डेनिम फैब्रिक में वैश्विक पहचान झांझरवाड़ा (जिला नीमच) में स्थित:- मेसर्स स्वराज सूटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड की चरणबद्ध टेक्सटाइल परियोजना के प्रथम चरण का लोकार्पण रामपुरा (जिला नीमच) में संपन्न हुआ। इस चरण में 150 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिससे 750 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। परियोजना की कुल लागत 450 करोड़ रुपये है, जो विभिन्न चरणों में क्रियान्वित की जाएगी। यह निवेश जबलपुर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2024 के दौरान प्रस्तावित हुआ था। कंपनी के प्रवर्तक नासिर खान हैं। स्वराज सूटिंग्स, जिसकी स्थापना 2003 में भीलवाड़ा (राजस्थान) में हुई थी, वस्त्र उद्योग में एक प्रतिष्ठित नाम है। नीमच के झांझरवाड़ा क्षेत्र में कंपनी पहले ही 700 करोड़ रुपये की लागत से एक इकाई स्थापित कर चुकी है, जिससे 2000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। वर्तमान में कंपनी की वार्षिक डेनिम फैब्रिक प्रोसेसिंग क्षमता 1.5 करोड़ मीटर है, और यह भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सक्रिय है।

सुविधि रेयॉन्स: फार्म टू फैशन की ओर अग्रसर:- ग्राम मोरवन (जावद, जिला नीमच) में सुविधि रेयॉन्स प्राइवेट लिमिटेड की टेक्सटाइल निर्माण इकाई के भूमिपूजन का आयोजन इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। यह परियोजना 31 हेक्टेयर क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित की जाएगी, जिससे लगभग 2000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह इकाई फार्म टू फैशन की अवधारणा को रूप देगी, जिसमें कच्चे माल की खरीद किसानों से लेकर फिनिश्ड फैब्रिक तक की संपूर्ण प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संपन्न होगी। यह एक पूर्णत: एकीकृत टेक्सटाइल पार्क होगा, जिसमें 168 आधुनिक लूम्स, 30,000 स्पिंडल्स और तीन प्रोसेसिंग हाउस स्थापित किए जाएंगे। कंपनी के प्रमुख निवेशक राकेश दुबे तंवर ने बताया कि उनकी कंपनी को 25 वर्षों का अनुभव है, और वह गुणवत्ता, समयबद्ध आपूर्ति एवं प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण केलिए जानी जाती है। परियोजना का प्रथम चरण 31 मार्च 2028 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

बदलता हुआ नीमच का औद्योगिक परिदृश्य:- एमपीआईडीसी उज्जैन के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश राठौड़ ने बताया कि नीमच का औद्योगिक विकास अब केवल टेक्सटाइल तक सीमित नहीं है। पिछले वर्ष सगराना में 3000 करोड़ रुपये की गोल्डक्रस्ट सीमेंट परियोजना का भूमिपूजन किया गया था। झांझरवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र में अब कोई खाली भूमि नहीं बची है और यहां 8000 से अधिक रोजगार सृजित होंगे। निवेश की बढ़ती मांग को देखते हुए राज्य सरकार अब चीताखेड़ा में एक नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा पारदर्शी भूमि आवंटन, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, कर प्रोत्साहन और तेज अनुमोदन प्रणाली जैसे उपायों से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1070 से अधिक इकाइयों को भूमि आवंटन पत्र जारी किए गए, 330 से अधिक इकाइयों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण हुआ, और 5262 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता उद्योगों को प्रदान की गई।

नि:शुल्क चिकित्सा जॉच शिविर 30 को

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। स्व. श्री दलीचंदजी, स्व. श्रीमती कंचनदेवी, स्व. श्री कुंदनलालजी, स्व. श्री गोपालजी गर्ग (केड़िया) की स्मृति में नन्द सेवा संकल्प समिति और श्री प्रहलाद गर्ग फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान मे दिनांक 30 अप्रैल बुधवार को प्रात: 9 बजे से 2 बजे तक पियुष ट्रेडर्स, लिटिल किंगडम स्कूल के पास, नईआबादी मन्दसौर पर जीसीएस हॉस्पिटल अहमदाबाद के ख्यातनाम चिकित्सको द्वारा विशाल नि: शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन रखा गया है। उक्त जानकारी संस्था अध्यक्ष दयाराम चौहान ने देते हुए बताया कि इस शिविर में हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ (ऑर्थो स्पाइन), मूत्र रोग विशेषज्ञ (न्यूरो सर्जन), हार्ड रोग विशेषज्ञ (जनरल फिजिशियन), ऑपरेशन विशेषज्ञ (जनरल सर्जन) अपनी सेवाए देंगे। नन्द सेवा संकल्प समिति और श्री प्रहलाद गर्ग फाउण्डेशन ने अधिक से अधिक संख्या में पधारकर शिविर को सफल बनाने की अपील की है। शिविर में भाग लेने के इच्छुक रोगी अपना पंजीयन अवश्य करवाए एवं अपनी पुरानी जांचे साथ में लाए। समय का विशेष ध्यान दे। शिविर में दवाइयां नि: शुल्क वितरीत की जायेगी।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	920	2115	2311
उडद	15	4900	6299
सोयाबीन	4758	4000	4486
गैहु	12000	2410	2760
चना	693	5521	5800
मसुर	105	5910	6213
धनिया	298	4900	8150
लहसुन	20000	2500	7810
मैथी	1238	4000	5351
मुंगफली	1413	4400	5400
अलसी	1788	6700	7511
सरसो	471	5300	5859
तारामीरा	5	5440	5487
इसबगोल	170	9300	12700
प्याज	3236	200	832
कलोंजी	26	18500	20000
तुलसी बीज	2	11400	12303
डॉलर	80	6500	9125
तिल्ली	3	8200	9001
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	7	4081	4700
असालीया	66	6580	7181
चियाबीज	98	10452	13081

15 मिनट में पूरी करनी होगी परिवहन उड़नदस्तों को वाहनों की जांच

इंदौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में परिवहन जांच चौकियों को बंद किए जाने के बावजूद वाहनों से अवैध वसूली की शिकायतें लगातार परिवहन विभाग के पास पहुंच रही थीं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने जांच प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

इसमें परिवहन चेक प्वाइंट और संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड(MP transport squads) को 15 मिनट में वाहन की जांच पूरी करना होगी। बगैर वाजिब कारण के वाहन को इससे अधिक समय तक नहीं रोका जा सकेगा। अधिक समय तक रोके जाने पर इसका कारण बताना होगा। एक वाहन की जांच पूरी होने के बाद ही दूसरे वाहन को उड़नदस्ते रोक सकेंगे। जांच के दौरान बॉडी वार्न कैमरे भी अनिवार्य किए गए हैं।

वर्दी पर नाम की प्लेट भी अनिवार्य– परिवहन आयुक्त के नए आदेश के अनुसार(New Vehicle Inspection Rule) अब जांच केवल अधिकृत वर्दीधारी अधिकारियों की उपस्थिति में ही की जा सकेगी। जांच के दौरान कम से कम एक सहायक परिवहन उप निरीक्षक का मौजूद होना अनिवार्य होगा। कर्मचारियों को वर्दी में रहना होगा और वर्दी पर नाम की प्लेट भी अनिवार्य होगी।

निर्देशों का उल्लंघन करने पर होगी कारवाई-जांच प्रक्रिया के दौरान किसी भी निजी व्यक्ति की उपस्थिति को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। रात में जांच करने के दौरान ऐसे स्थान का चयन अनिवार्य होगा, जहां पर पर्याप्त रोशनी हो। स्टाफ को एलईडी बैटन और रिफ्लेक्टिव जैकेट उपलब्ध कराए जाएंगे। परिवहन आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कारवाई की जाएगी।

पीओएस मशीन से ही बनेंगे चालान– नए निर्देशानुसार जांच के दौरान परिवहन चेक प्वाइंट और संभागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड के पास प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीन की उपलब्धता अनिवार्य की गई है। इन मशीनों के माध्यम से ही वाहनों के चालान बनाने होंगे। नकद का लेन-देन पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। जहां मशीन उपलब्ध नहीं है, वहां प्राथमिकता से मशीन उपलब्ध कराई जाएगी।

दो बॉडी वार्न कैमरे चालू रखने होंगे– परिवहन विभाग के परिवहन चेक प्वाइंट और संभागीय उड़नदस्तों द्वारा की जाने वाली जांच की पूरी रिकॉर्डिंग की जाएगी। जांच दल को बॉडी वार्न कैमरे लगाने होंगे। जांच के दौरान दो कमरे चालू रहेंगे। इनमें से एक लाइव मोड में होगा। अन्य कैमरे स्टैंड बाय मोड में रहेंगे। कैमरों की निगरानी और रिकॉर्डिंग की जिम्मेदारी संबंधित यूनिट प्रभारी पर होगी। जांच की रिकॉर्डिंग संभालकर रखना होगी और कैमरों को पूरी तरह से चार्ज रखना होगा।

45 चेक प्वाइंट कर रहे जांच– करीब एक साल पहले मध्य प्रदेश में गुजरात माडल को लागू करते हुए परिवहन चौकियों को बंद कर दिया गया था इसके स्थान पर अंतरराज्यीय सीमा पर 45 चेक प्वाइंट बनाए गए हैं, लेकिन यहां पर ट्रकों और वाहनों से अवैध वसूली की शिकायतें आने लगी थीं। शिकायतों को देखते हुए परिवहन आयुक्त ने जांच में पारदर्शिता के लिए नए निर्देश जारी किए गए।

जांच में पारदर्शिता आएगी– कुछ समय से वाहनों को रोककर वसूली की जाने लगी थी। इसे लेकर परिवहन आयुक्त को शिकायत भी की गई थी। इस मामले में नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इससे जांच में पारदर्शिता आएगी और वाहन मालिक को बेवजह की वसूली से मुक्ति मिलेगी। वसूली की शिकायत के बाद विगत दिनों चेक प्वाइंट सागर-1 के प्रभारी परिवहन उप निरीक्षक को हटाया भी जा चुका है। - सीएल मुकाती, अध्यक्ष, इंदौर ट्रक आपरेटर्स एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन

लोकसेवकों के नवाचारों के आधार पर बने सुशासन की कार्ययोजना-मुख्यमंत्री

भोपाल, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राष्ट्रीय लोकसेवा दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार करने वाले प्रदेशभर के 16 लोकसेवकों को पुरस्कृत किया। उन्होंने आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार के अंतर्गत वर्ष 2022-23 एवं वर्ष 2023-24 के लिए चयनित लोकसेवकों को 1 लाख रुपए का चेक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री यादव ने सुशासन से जुड़े नवाचारों के लिए कार्य करने वाले सभी लोकसेवकों को राष्ट्रीय लोकसेवा दिवस की बधाई दी। समारोह के मुख्य अथिति डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारत2047 में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य के लोकसेवकों ने अपने कर्तव्यों को बखूबी निभाया है। जमीनी स्तर पर अधिकारियों द्वारा किए जा रहे नवाचारों को संकलित कर सुशासन के लिए योजना तैयार करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना और विकास में चाणक्य की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि महामंत्री चाणक्य ने सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य को राजा बनाया था और वे स्वयं मंत्री बने थे ताकि एक शक्तिशाली राजवंश में लोकशासन की व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके। उन्होंने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आजादी के बाद देश के भविष्य की नींव तैयार करने के लिए लोकसेवक व्यवस्था का विस्तार किया और उनके लिए सेवा नियम (सर्विस रूल) तैयार किए। उन्होंने लोकसेवकों के लिए तीन बातों- डिग्निटी, इंटीग्रिटी और इंकरप्टिबिलिटी को रेखांकित किया था। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्वास दिलाया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विकसित भारत2047 के मिशन को पूरा करने में प्रदेश की भूमिका और विकसित मध्यप्रदेश के लिए सभी लोकसेवक कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। प्रदेश के सभी अधिकारी ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूईंग के लिए मिशन मोड में कार्यरत हैं।

16 लोकसेवकों को मिला मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर माधव प्रसाद पटेल माध्यमिक शिक्षक, अदिति गर्ग आयुष्मान कार्ड में नवाचार, डॉ. इंदिरा दांगी शिक्षक आष्टा, शारदा दुबडे शिक्षक, आलोक पौराणिक प्राथमिक शिक्षक पथरिया, चंद्रमोहन ठाकुर अधोसंरचना श्रेणी में पुरस्कार, डॉ. यशपाल सिंह प्राचार्य आवासीय विद्यालय, संजय जोशी प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी, अमित तोमर प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर, ऋषभ गुप्ता पूर्व कलेक्टर देवास, गणेश शंकर मिश्रा प्रबंध संचालक विद्युत वितरण कंपनी, दिवांग सिंह ग्रीन ब्रांड इंदौर में उत्कृष्ट कार्य, प्रवीण सिंह अढायच पूर्व कलेक्टर सीहोर, प्रो. बेला सचदेवा, भूपेंद्र कुमार चौधरी माध्यमिक शिक्षक, शीला दाहिमा को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रशासन अकादमी में नरोन्हा व्याख्यान श्रृंखला आयोजित–सिविल सेवा दिवस समारोह 2025 के अवसर पर प्रशासन अकादमी में नरोन्हा व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया है, जिसमें प्रदेशभर के अधिकारी, कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दीपक बागला ने सभागार में उपस्थित अधिकारियों को विकसित भारत के लिए सुशासन से जुड़े अनुभव साझा किए। प्रशासन अकादमी के संचालक मुजीबुर्रमान ने सभी अथितियों का आभार व्यक्त किया।

मकान में लगी आग

दो भैंस और एक गाय की मौत, कृषि उपकरण जले

गरोठ, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। तहसील के कस्बे बर्डिया अमरा में रविवार की रात एक दर्दनाक घटना हुई। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 03 बजे आदिवासी किसान अनिल तोलाराम भील के मकान में अचानक आग लग गई। आग की इस घटना में दो भैंस और एक गाय की मौत हो गई। मकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया।

किसान के कृषि यंत्र और पशुओं के लिए रखी गई घास व चारा भी आग की चपेट में आ गया। मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। खबर लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से मौका पंचनामा नहीं बनाया गया है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। नुकसान का सही आंकलन भी अभी नहीं हो पाया है।

युवक को पीटा, 3 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों पर केस दर्ज किया। चंदवासा निवासी राहुल पिता समरथ बावरी ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि बलराम पिता ताराचंद बावरी मेरे अंकल खुमानसिंह का ट्रेक्टर भाड़े पर ईट भरने के लिए ले गया था। जब मैं ट्रेक्टर लेने गया तो बलराम ने ईट खाली करने से मना कर दिया और गाली-गलौज करने लगा। बलराम के साथ ही उसके पिता ताराचंद, जितेन्द्र तीनों ने मासरपीट की। जिससे आंख, होठ व कमर पर चोंटे आई। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज किया।

नगर की यातायात व्यवस्था राम भरोसे

सुवासरा, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। नगर की यातायात व्यवस्था राम भरोसे चल रही है। यहां ना किसी को कानून का डर है ना ही किसी को प्रशासन का भय है। बस जिसे जहां मन वहां पर अपना वाहन खड़ा कर कर दिया। इसके साथ ही नगर के मुख्य मार्ग डिवाइडर रोड पर दोनों और अवैध ठेला गाड़ी खड़ी कर लोग अपना व्यवसाय कर रहे हैं जिसके कारण मार्ग छोटा हो जाता है और आने-जाने वाले पैदल व्यक्तियों और वाहनों को अपने वाहन निकालने में परेशानी होती है। वहीं नगर के मुख्य मार्गो के दोनों और कुछ व्यापारियों ने भी अपनी जागीर समझकर अपना सामान रख रखा है। नगर परिषद एवं पुलिस प्रशासन की उदासीनता और लापरवाही के कारण आमजन बिगड़ी यातायात व्यवस्था से परेशान है। विधानसभा मुख्यालय होने के बाद भी यहां पर किसी भी प्रकार के प्रशासनिक अधिकारी का नगर की व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं है ।और कुछ रसूखदार व्यक्ति अपने रसूख के चलते इस बिगड़ी यातायात व्यवस्था को और मजबूत बना रहे हैं। इसी बदहाल व्यवस्था के चलते सोमवार को नगर के पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में वहां वाहनों के जाम के कारण एक गिट्टी से भरे ट्रैक्टर ने रोड की साइड में बनी नाली को तोड़ दिया और ट्रैक्टर ट्राली का पहिया उसमें धंस गया। इसके बाद उसमें लबालब भरी हुई गिट्टी ट्रॉली के नाली में धसने के साथ बिखर गई। यह तो गनीमत रही कि उस समय उस ट्रैक्टर ट्राली के आसपास कोई नहीं था। नहीं तो कोई बड़ा हादसा या घटना घटित हो सकती थी। नगर और क्षेत्र मैं अभी शादियों का दौर चल रहा है ऐसे में नगर में खरीदारी करने के लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से कई लोग पहुंचते हैं। लेकिन बेतरतीब खड़े वाहनों के कारण रोजाना यहां जाम की स्थिति बन जाती है। प्रशासन केवल मुखदर्शक बनकर तमाशा देखता है। जनता इस रोजाना के जाम से परेशान हो चुकी है। प्रशासन को चाहिए कि वह नगर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाएं और आमजन को राहत प्रदान करें।

जनकल्याण और सुशासन में दें योगदान-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने मैदानी अधिकारियों को दिए निर्देश

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनकल्याण के लिए अधिकारी मैदान में उतरें। नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान कर, सुशासन की दिशा में अपना प्रभावी योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शानिवार रात मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, एसपी, आईजी से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी जिलों में उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखें। पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रहे। आमजन से अधिकारी-कर्मचारी का व्यवहार विनम्र और अच्छा हो। कार्यालयों में आने वाले नागरिक को समाधान प्राप्त हो।

पराली नियंत्रण–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खेतों में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाई जाए। किसानों को सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे उपकरण अधिक संख्या में उपलब्ध करवाए जाएं। इससे किसानों को पराली जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उनका समय भी बचेगा।

ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य का ध्यान रखें नागरिक–मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों को ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए आवश्यक प्रचार-प्रसार किया जाए। आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहें। बाजार में संक्रमित फल न बिकें, उस पर नजर रखी जाए। सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों और संभागों में सभी अधिकारी पारदर्शिता, नवाचार, परिश्रम से कार्य करते हुए नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए सक्रिय रहें। वीसी में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बाल विवाह रोकथाम हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला कल

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास द्वारा बताया गया कि 30 अप्रैल 2025 'अक्षय तृतीया' के अवसर पर जिले में बाल विवाह होने की प्रबल संभावना रहती है। बाल विवाह रोकथाम हेतु 23 अप्रैल 2025 को प्रात: 11:00बजे नगर पालिका मंदसौर मेंकलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में बाल विवाह रोकथाम करने एवं जिले को बाल विवाह से मुक्त किये जाने के संबध में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

विहिप बजरंग दल जिला गरोठ ने शुरू करी नई पहल...

अगर बेटी संगठन की सक्रिय कार्यकर्ता है तो विवाह में आत्मरक्षा के लिए तलवार दी जाएगी भेंट

सुवासरा, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल जिला गरोठ ने शुरू करी नई पहल। अगर बेटी संगठन की सक्रिय कार्यकर्ता है तो विवाह में आत्मरक्षा के लिए तलवार दी जाएगी भेंट। गरोठ जिले के और मन्दसौर जिले के सुवासरा प्रखंड व शामगढ़ प्रखंड आज से दुर्गा वाहिनी जिला सहसंयोजिका प्रियंका शर्मा रूनिजा वैवाहिक जीवन में प्रवेश पर आत्मरक्षा के लिए संगठन पदाधिकारी द्वारा आत्मरक्षा के लिए तलवार उपहार स्वरूप भेंट की। वह अपने नवीन वैवाहिक जीवन में प्रवेश पर दोनों टोलीयो ने हार्दिक शुभकामनाएं दी। उपरोक्त जानकारी अर्जुन सिँह देवड़ा प्रखंड अध्यक्ष विश्व हिन्दू परिषद् ने एक प्रेस नोट के माध्यम से दी।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर श्रीमती गर्ग को किया पुरस्कृत

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग को भोपाल में राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार वर्ष 2022-23 के लिए 1 लाख रुपये की राशि एवं प्रशस्ति पत्र से आज पुरस्कृत किया है। मन्दसौर कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने विगत समय में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए नवाचार किया था जो कि स्वास्थ्य एवं पोषण की श्रेणी में आता है। उत्कृष्टता पुरस्कार सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में कुल 14 लोगों को प्रदान किया किया।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाही, मक्खन दा ढाबा से लिये सेम्पल

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर के निदेशार्नुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा नायब तहसीलदार सुनील अग्रवाल के साथ एक संस्था का औचक निरीक्षण किया गया एवं सेम्पल जब्त किये गये।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते कलेक्टर के निर्देश पर नायब तहसीलदार के साथ दिनांक 21 अप्रैल सोमवार को लस्सी मक्खन दा ढाबा ग्राम मुण्डली तह. मल्हारगढ जिला मंदसौर से पनीर,मलाई, मक्खन के नमुने लिये गये। जो जांच वास्ते राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये । जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्यवाही की जायेंगी। सभी होटल, ढाबा, रेस्टोरेन्ट

संचालकों को उचित साफ - सफाई के साथ व्यवसाय करने के निर्देश दिये गये। गर्मी को ध्यान में रखते हुए मिल्क उत्पादों का उचित डीप फ्रीज में रख कर व्यवसाय करने के निर्देश दिये गये है। कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत 30 को नीमच, जावद में विवाह सम्मेलन

नीमच, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच, जावद एवं मनासा में 30 अप्रेल 2025 को नि:शुल्क सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन जनपद सीईओ नीमच, जावद, मनासा द्वारा किया जा रहा है। संबंधित नगरीय निकाय के सीएमओ कार्यक्रम के सहायक आयोजक रहेंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए है, कि इस सामुहिक विवाह सम्मोलन के लिए सभी संबंधित निकाय क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को चिन्हांकन कर हितग्राहियों के आवेदन आवश्यक दस्तावेजों सहित तैयार करवाकर, विवाह पोर्टल पर पंजीकृत किए जाए। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को हितग्राहियों के आफलाईन आवेदन और पोर्टल पर पंजीयन की निकायवार जानकारी निर्धारित प्रपत्र में 28 अप्रेल 2025 तक उप संचालक सामाजिक न्यायय कार्यालय को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। साथ ही शासन निर्दोशानुसार सामुहिक विवाह कार्यक्रम की सम्पूतर्ण व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए है।

अस्वाद वृत से स्वस्थ शरीर निर्मल मन व दिव्य आत्म बोध की अनुभूति होती है

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि गांधीजी द्वारा प्रतिपादित अस्वाद वृत से स्वस्थ शरीर, निर्मल मन व दिव्य आत्म बोध की अनुभूति होती है। स्वाद लोलुपता का त्याग करने से अति आहार से बचा जा सकता है। जो सभी रोगो की जड है। गांधीजी ने अपने 11 वृतो मे अस्वाद व्रत को सम्मिलित किया गया। यही अस्वाद वृत जैन तपो मे आयम्बिल तप है। बडी संख्या में साधु, साध्वी, श्रावक, श्राविका आयम्बिल तप करते है। जो आध्यात्मिक उन्नयन का माध्यम है। इस तप मे घी, तेल, शक्कर मसाले युक्त आहार का त्याग किया जाता है। आहार संयम सभी तपो को अपनाने का सहज मार्ग है। जब सची भूख होती है तो आहार लिए स्वाद का सहारा नही लेना पडता है। शरीर सुख व इन्द्रिय भोग की लालसा आत्मकल्याण में बाधक है। यह तत्व बोध अस्वाद वृत के माध्यम से अपनाया जा सकता है। वरिष्ठ साहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि त्रेतायुग मे श्रीराम ने मर्यादापूर्ण जीवन का बोध कराया। द्वापर युग मे श्री कृष्ण ने जीवन की त्रुटियों के दुष्परिणाम अनुभव करवाकर उनसे बचने की प्रेरणा दी। कलियुग मे सत्कर्म के माध्यमे स आत्म कल्याण की राह स्वयं को चुनना पडेगी। कर्म का फल सबको भोगना पडता है। श्री राजकुमार जसवंत ने भोजन और पोषण विचार श्रृंखला मे पुदिना की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। श्री सत्यनारायण भूरिया, श्री रमेश ब्रिजवानी, श्री चन्द्रशेखर राजा सोनी, प्रहलाद मालवीय ने भजन प्रस्तुत किये। अमृतराम सुनार्थी, डॉ.रविन्द्र जोशी, महेश कानूनगो, वासुदेव खेमानी, वल्लभ बघेरवाल, नरेन्द्रपालसिंह राणावत ने संवाद मे सहभागिता की। संचालन आध्यात्मिक चेतना अभियान केसंयोजक श्री विनोद शर्मा ने किया। समन्वयक श्री प्रकाश कल्याणी ने गतिविधियो की जानकारी दी। सांईमंदिर प्रबंधक श्री निरंजर भारद्वाज ने आभार माना।

ब्राह्मण समाज द्वारा परशुराम जन्मोत्सव हेतु आयोजन समिति घोषित

मंदसौर, 21 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सकल ब्राह्मण समाज द्वारा आगामी अक्षय तृतीया, दिनांक 30 अप्रैल को भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले भव्य समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने हेतु एक विस्तृत आयोजन समिति का गठन किया गया है। आज यहां आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में सकल ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा, आयोजन समिति के संयोजक पंडित बसंत शर्मा एवं सहसंयोजक पंडित जितेंद्र व्यास ने इस विस्तृत समिति की घोषणा की।

समिति में समाज के वरिष्ठ एवं अनुभवी विद्वानों को मार्गदर्शन मंडल में शामिल किया गया है, जिनमें पंडित भीमाशंकर जी शास्त्री, पंडित दशरथ भाई जी, पंडित मिथलेश जी नागर, पंडित देवेन्द्र जी शास्त्री, पं. कृष्ण वल्लभ जी शास्त्री, पंडित पंकज जी शर्मा झलारा, पंडित ललित जी पाराशर धुंधडका, पंडित लक्ष्मीनारायण शर्मा हर्कियाखाल तथा पंडित विष्णु शर्मा प्रमुख हैं। संरक्षक मंडल में पंडित धीरेंद्र त्रिवेदी, पंडित विकास आचार्य, पंडित डॉ. विजय शंकर मिश्र, पंडित राजेश दीक्षित, पंडित शिवकरण प्रधान, पंडित चमनलाल जी शर्मा, पंडित सुरेश शर्मा पेट्रोल पंप, पंडित डॉ. अजय व्यास, पंडित डॉ. सौरभ पांडे, पंडित डॉक्टर महेश शर्मा शिशु विशेषज्ञ, पंडित इंजी. सुनील व्यास एवं पंडित डॉक्टर कुशल शर्मा जैसे गणमान्य व्यक्ति शामिल हैं, जो अपने अनुभव और मार्गदर्शन से आयोजन को सफल बनाएंगे। समारोह में आने वाले अतिथियों के स्वागत एवं सत्कार की जिम्मेदारी स्वागत समिति को सौंपी गई है, जिसमें पंडित सुरेंद्र दीक्षित, पंडित आनंदीलाल तिवारी, पंडित कैलाश चंद्र पांडे, पंडित रूपनारायण जोशी, पंडित रमेश चंद्र चंद्रे, पंडित मोहनलाल शर्मा, पंडित किशन व्यास, पंडित राधेश्याम शर्मा 'पार्टनर', पंडित गोपाल कृष्ण शर्मा, पंडित घनश्याम नागदा, पंडित गोपाल दुबे, पंडित नरेंद्र शर्मा दलौदा, पंडित गोपाल शर्मा गुर्जरबर्डिया, पंडित मांगीलाल शर्मा, पंडित बाबूलाल शर्मा बानी खेड़ी, पंडित मुकेश शर्मा बाबरेचा एवं पंडित राजेंद्र भारद्वाज पिपलिया मंडी जैसे सक्रिय सदस्य शामिल हैं। विभिन्न व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु संयोजकों की एक टीम भी गठित की गई है, जिसमें डॉ. घनश्याम बटवाल, डॉ. देवेंद्र पुराणिक, पंडित सुरेंद्र त्रिवेदी, पंडित गोपाल पंचारिया, पंडित अशोक त्रिपाठी, पंडित विष्णुनारायण कश्यप, पंडित मनोज व्यास, डॉ. रविंद्र सोहोनी एवं पंडित ओम प्रकाश व्यास शामिल हैं।

श्री शर्मा और श्री व्यास ने यह भी जानकारी दी कि ब्राह्मण समाज की सभी उप शाखाओं के पदेन अध्यक्ष, पदेन सचिव, पदेन महिला प्रमुख एवं पदेन युवा प्रमुख भी इस आयोजन समिति के सम्मानित सदस्य रहेंगे, जिससे समाज के सभी वर्गों र्की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। आगामी तैयारियों को लेकर आयोजन समिति, मातृशक्ति समिति एवं विभिन्न व्यवस्था समितियों की एक महत्वपूर्ण वृहत बैठक आगामी दिनांक 26 अप्रैल, शनिवार को शाम 6:30 बजे जनपद पंचायत के सभागृह में आयोजित की जाएगी। पंडित दिलीप शर्मा, पंडित बसंत शर्मा एवं पंडित जितेंद्र व्यास ने सभी महानुभावों से इस महत्वपूर्ण बैठक में उपस्थित रहकर अपने सुझाव एवं सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया है, ताकि भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव भव्य एवं यादगार बनाया जा सके।

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक-157/2025 दिनांक-21.04.2025

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा श्यामलाल पिता शंकरलाल सूर्यवंशी, निवासी-ग्राम-मगराना, तहसील-मल्हारगढ़ जिला-मन्दसौर से आवासीय भूमि सर्वे मकान नं. 921(बी), भूखण्ड नं. 80(पी) पटवारी हल्का नं. 00129 पर दर्ज होकर पता-ग्राम-मगराना, तहसील-मल्हारगढ़ जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व: त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी15 आईजीआर17852025ए 100207832 , दिनांक 17.04.2025 से मेरे पक्षकार धापूबाई पति श्यामलाल, निवासी- ग्राम-मगराना, तहसील-मल्हारगढ़ जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मल्हारगढ़ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-अम्बाराम का मकान, पश्चिम में-आम रास्ता, उत्तर में-रतनलाल का प्लाट, दक्षिण में-अमृतराम का मकान, पैमाईश रकबा- 130 वर्ग मीटर

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in